CBSE Class–5 Hindi

NCERT Solutions

रिमझिम पाठ- 11. चावल की रोटियाँ

मंच और मंचन

एक सादा कमरा, दीवारों पर बाँस की चटाइयाँ | एक दीवार के सहारे मांस रखने की अलमारी | अलमारी के ऊपर एक रेडियो, चाय की केतली कुछ कप और खाली गुलाबी फूलदान रखा है | कमरे के बीच फ़र्श पर एक चटाई बिछी है जिसके ऊपर कम ऊँचाई वाली गोल मेज रखी है | दो दरवाजे | एक दरवाजा पीछे की ओर खुलता है दूसरे किनारे की ओर | पंक्षियों के चहचहाने के साथ - साथ पर्दा उठता है | दूर कहीं मुर्गा बांग देता हे | कुत्ता भोंकता है | कहीं प्रार्थना की घंटियाँ बजती है | कोको आता है, जम्हाई लेकर अपने को सीधा करता है|

ऊपर लिखी पंक्तियों में कोको के घर में एक कमरे का वर्णन किया गया है | दरअसल नाटक के लिए मंच सज्जा कैसी हो यह निर्देश उसके लिए है | तुम इस वर्णन को पढ़कर मंच का एक चित्र बनाओ जो ठीक वैसा ही होना चाहिए जैसा कि बताया गया है|

उत्तर-

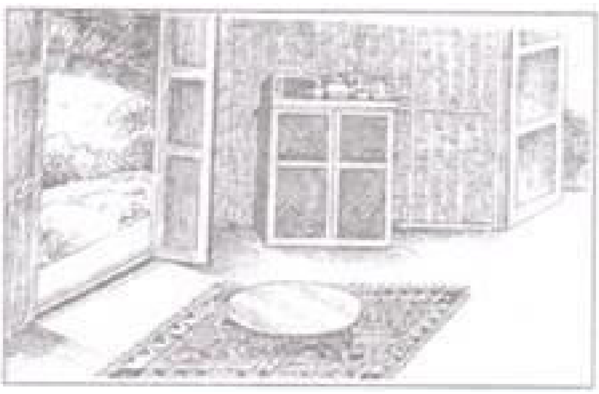

<u>नाटक की बात</u>

प्रश्न 1 . नाटक में हिस्सा लेने वालों को पात्र कहते हैं | जिन पात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है उन्हें ‘ मुख्य पात्र ’| और जिनकी भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती उन्हें ‘ गौण पात्र ’ कहते हैं | बताओ इस नाटक में कौन - कौन मुख्य और गौण पात्र कौन है?

उत्तर - नाटक में कोको, मिमि और तिन सू मुख्य पात्र है| वही नीनी और उ बा तुन गौण पात्र है|

प्रश्न 2. पात्रों को जो बात बोलनी होती है उसे **संवाद कहते हैं | क्या तुम किसी एक परिस्थिति के लिए संवाद लिख सकती हो ? (इसके लिए तुम टोलियों में भी काम कर सकती हो |) उदाहरण के लिए ; खो - खो या कबड्डी जैसा कोई खेल - खेलते समय दूसरे दल के खिलाड़ियों से बहस|**

उत्तर- पहले दल के सदस्य - तुम्हारे खिलाड़ी ऑउट है|

दूसरे के दल के सदस्य - किस तरह आउट है?

पहले दल के सदस्य - क्योंकि इसकी साँस टूट गई थी|
दूसरे दल के सदस्य - नहीं, इससे पहले यह अपने पाले में आ गया था|
पहले दल के सदस्य - तुम झूठ बोल रहे हो|
दूसरे दल के सदस्य - बहस मत करो और खेल शुरू करो|

प्रश्न 3. क्या कभी आपने कोई चीज या बात दूसरों से छिपाई है या छिपाने की कोशिश की है उस समय क्या - क्या हुआ था?
उत्तर - एक बार मेरा एक मित्र मुझसे कहानियों की पुस्तक मांगने आया| मैं उसे पुस्तक नहीं देना चाहता था| इसलिए मैंने वह पुस्तक तकिए के नीचे छुपा दी| लेकिन वह वही पर बैठ गया| तब मैंने चुपके से पुस्तक निकाल कर मेज की दराज में रख दी| कुछ समय बाद मेरा मित्र दराज खोलने लगा| तब मैंने उसे बड़ी मुश्किल से बहाना बना कर उसे बाहर भेजा|

प्रश्न 4. कहते हैं , एक झूठ बोलने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं | क्या तुम्हें कहानी पढ़कर ऐसा लगता है? कहानी की मदद से इस बात समझाओ|
उत्तर- हाँ, हमें कहानी में ऐसा लगता है कि एक झूठ बोलने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं| नीनी और मिमि से चावल की रोटियां बचाने के लिए कोको झूठ बोलता है| इसके लिए वह रेडियो के खराब होने, अपना पेट भरा होने, मुंह हाथ धोने, कमरे में चूहा होने, रोटियां खा लेने तथा मां को एलर्जी होने जैसे झूठ बोलता है|

एक चावल कई-कई रुप
प्रश्न 1. कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियां बनाकर रखी थी | भारत के विभिन्न प्रांतो में चावल अलग - अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है - भोजन के हिस्से की रूप में में भी, नमकीन और मीठे पकवान के रूप में भी | तुम्हारे प्रांत में चावल का इस्तेमाल कैसे होता है ? घर में बातचीत करके पता करो एक तालिका बनाओ | कक्षा मैं अपने दोस्तों की तालिका के साथ मिलान करो तो पाओगे की भाषा , कपड़ों और रहन - सहन के साथ - साथ खान - पान की दृष्टि से भी भारत अनूठा है|
उत्तर - प्रांत दिल्ली
चावल का प्रयोग : भोजन के लिए, मीठे पकवान बनाने के लिए, नमकीन पकवान बनाने के लिए, रोटियाँ इटली डोसा बनाने के लिए, खिचड़ी बनाने के लिए|

प्रश्न 2. अपनी तालिका में से चावल से बनी कोई एक खाने चीज बनाने की विधि पता करो और उसे नीचे दिए गए बिंदुओं के साथ से लिखो
*** सामग्री, *तैयारी, *विधि**
उत्तर- खीर
सामग्री - चावल, दूध, चीनी, मेवे|
तैयारी - चावल साफ करना, धोना, मेवों को बारीक काटना|
विधि - 1. पहले दूध आँच पर कढ़ाई में रखें| 2. फिर कुछ देर के बाद चावल डाल दे| 3. कुछ देर हिलाते रहें और पकने दे | 4. अब उसमें चीनी डाल दें| 5. कटे मेवे भी दाल दें| 6. अब गर्मागर्म परोसें|

प्रश्न 3. "कोको के माता-पिता <u>धान</u> लगाने के लिए खेतों में गए|"

“कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियां बनाई|”

एक ही चीज़ के विभिन्न रूपों के अलग-अलग नाम हो सकते हैं| नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं| उनमें अंतर बताओ|

***चावल - *धान - *भात - *मुरमुरा - *चिउड़ा**

उत्तर- चावल – धान से निकला हुआ दाना चावल कहलाता है|

धान - छिलका चढ़ा चावल धान कहलाता है|

भात - पके हुए चावल को बात कहते हैं|

मुरमुरा - धान को भुनकर मुरमुरे बनाए जाते हैं|

चिउड़ा - धान को भिगोकर पिसने से चिवड़ा बनता हैं|

***साबुत दाल - *धूली दाल - *छिलका दाल**

उत्तर- साबुत दाल - बिना छिलका उतारे या बिना टूटी दाल साबुत दाल कहलाती है|

धूली दाल - बिना छिलके की दाल को धूली दाल कहते हैं|

छिलका दाल - टूटी हुए लेकिन छिलके वाली को छिलका दाल कहते हैं|

***गेहूँ - *दलिया - *आटा - *मैदा - *सूजी**

उत्तर- गेहूँ - गेहूँ के साबुत दानों को गेहूँ कहते हैं|

दलिया - गेहूँ को मोटा-मोटा पीसकर दलिया बनाया जाता है|

आटा - गेंहूँ को पीसकर आटा बनाया जाता है|

मैदा - गेहूँ को बारीक़ पीसकर मैदा बनाया जाता है|

सूजी - जौ आदि अनाज से बना आटा सूजी कहलाता है|

के, में, ने, को, से..

“कोको की माँ ने कल दुकान से एक फूलदान खरीदा था|”

प्रश्न - ऊपर लिखे वाक्य में जिन शब्दों के नीचे रेखा खींची है वे वाक्य में शब्दों का आपस में संबंध बताते हैं| नीचे एक मजेदार किताब “अनारको के आठ दिन” का एक अंश दिया गया है| उसके खाली स्थानों में इस प्रकार के सही शब्द लिखो|

अनारको एक लड़की है| घर ..... लोग उसे अन्नो कहते हैं| अन्नो नाम छोटा जो है, सो उस ..... हुक्म चलाना आसान होता है| अन्नो, पानी ले आ, अन्नो धूप में मत जाना, अन्नो बाहर अंधेरा-कहीं मत जा, बारिश ...... भीगना मत, अन्नो! और कोई बाहर ...... घर में आए तो घरवाले कहेंगे ये हमारी अनारको है, प्यार से हम इसे अन्नो कहते हैं| प्यार ..... हूँ-ह-ह!

आज अनारको सुबह सोकर उठी तो हाँफ रही थी| रात सपने ..... बहुत बारिश हुई| अनारको ...... याद किया और उसे लगा, आज ...... सपने में जितनी बारिश हुई उतनी तो पहले के सपनों .... कभी नहीं हुई| कभी नहीं| जमकर बारिश हुई थी आज ...... सपने ..... और जमकर उसमें भीगी थी अनारको| खूब उछली थी, कुदी थी, चारों तरफ़ पानी छिटकाया था और खूब-खूब भीगी थी|

उत्तर- के, से, में, से, से, में, ने, के, में, के, में|